

Путешествие в страну лечебных растений

Здесь в зарослях лесных, где все для сердца мило,
Где чистым воздухом так сладостно дышать,
Есть в травах и цветах целительная сила,
Для всех умеющих их тайну разгадать...

(Р. Рождественский)

Крапива



Подорожник



Лопух



Одуванчик лекарственный



Ландыш



Медуница



Мать – и – мачеха



Мать-и-мачеха

СЛАДКАЯ АПТЕКА



Черёмуха



Малина



Земляника



Брусника



Черника



Ромашка



Пустырник



Василёк



Валериана



Тысячелистник



--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--

п	у	с	т	ы	р	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---

--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

п	у	с	т	ы	р	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---

			р	о	м	а	ш	к	а
--	--	--	---	---	---	---	---	---	---

--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

п	у	с	т	ы	р	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---

			р	о	м	а	ш	к	а
--	--	--	---	---	---	---	---	---	---

		л	а	н	д	ы	ш	
--	--	---	---	---	---	---	---	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

п	у	с	т	ы	р	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---

			р	о	м	а	ш	к	а
--	--	--	---	---	---	---	---	---	---

		л	а	н	д	ы	ш
--	--	---	---	---	---	---	---

	о	д	у	в	а	н	ч	и	к
--	---	---	---	---	---	---	---	---	---

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

п	у	с	т	ы	р	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---

			р	о	м	а	ш	к	а
--	--	--	---	---	---	---	---	---	---

		л	а	н	д	ы	ш
--	--	---	---	---	---	---	---

	о	д	у	в	а	н	ч	и	к
--	---	---	---	---	---	---	---	---	---

п	о	д	о	р	о	ж	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

п	у	с	т	ы	р	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---

			р	о	м	а	ш	к	а
--	--	--	---	---	---	---	---	---	---

		л	а	н	д	ы	ш
--	--	---	---	---	---	---	---

	о	д	у	в	а	н	ч	и	к
--	---	---	---	---	---	---	---	---	---

п	о	д	о	р	о	ж	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

	м	а	л	и	н	а
--	---	---	---	---	---	---

п	у	с	т	ы	р	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---

			р	о	м	а	ш	к	а
--	--	--	---	---	---	---	---	---	---

		л	а	н	д	ы	ш
--	--	---	---	---	---	---	---

	о	д	у	в	а	н	ч	и	к
--	---	---	---	---	---	---	---	---	---

п	о	д	о	р	о	ж	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

	м	а	л	и	н	а
--	---	---	---	---	---	---

в	а	с	и	л	ё	к
---	---	---	---	---	---	---

--	--	--	--	--	--	--	--

п	у	с	т	ы	р	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---

			р	о	м	а	ш	к	а
--	--	--	---	---	---	---	---	---	---

		л	а	н	д	ы	ш
--	--	---	---	---	---	---	---

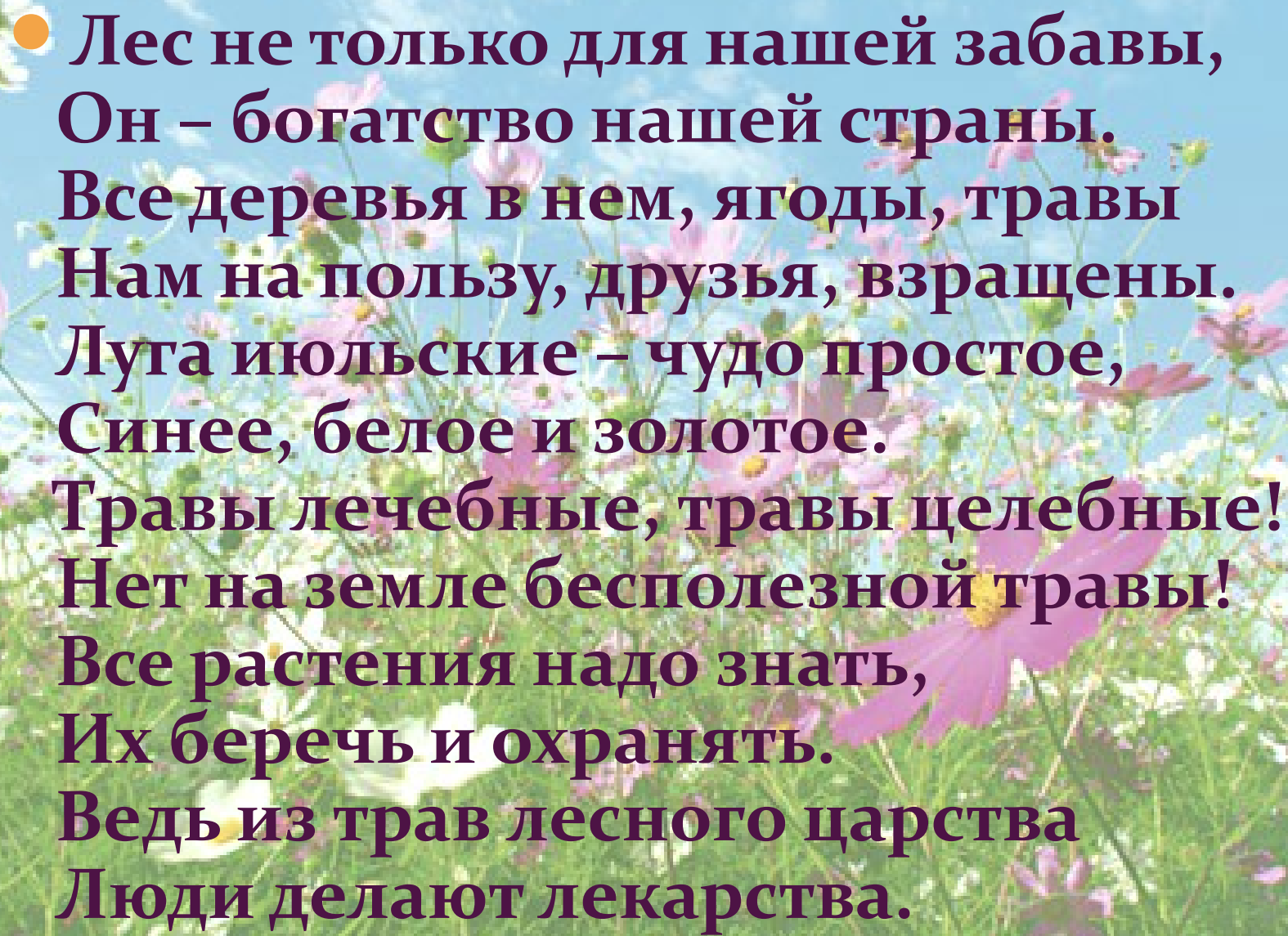
	о	д	у	в	а	н	ч	и	к
--	---	---	---	---	---	---	---	---	---

п	о	д	о	р	о	ж	н	и	к
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

	м	а	л	и	н	а
--	---	---	---	---	---	---

в	а	с	и	л	ё	к
---	---	---	---	---	---	---

	к	р	а	п	и	в	а
--	---	---	---	---	---	---	---



● Лес не только для нашей забавы,
Он – богатство нашей страны.
Все деревья в нем, ягоды, травы
Нам на пользу, друзья, выращены.
Луга июльские – чудо простое,
Синее, белое и золотое.
Травы лечебные, травы целебные!
Нет на земле бесполезной травы!
Все растения надо знать,
Их беречь и охранять.
Ведь из трав лесного царства
Люди делают лекарства.

